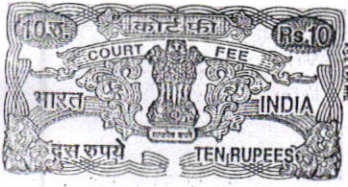


76



न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर  
II/पुनर्विलोकन/मुरैना/भू.रा/2018/0842  
प्रकरण क्र. /2018 पुनर्विलोकन

श्री राम. दी. न. द. नगर काशी  
मास आरंभ दि. 1-2-18  
प्रस्तुत। प्रारंभिक कार्य हेतु  
दिनांक 15-2-18

म. प्र. शासन  
शासन मण्डल, म. प्र. ग्वालियर  
1-2-18

1- सतेन्द्रसिंह आयु 48 वर्ष

2- शिवनाथसिंह आयु 45 वर्ष

3- प्रबलप्रतापसिंह आयु 43 वर्ष

पुत्रगण स्व० श्री सोवरनसिंह जाति  
गुर्जर ठाकुर निवासीगण गणेशपुरा,  
मुरैना तहसील व जिला मुरैना  
(म. प्र.).....आवेदकगण

विरुद्ध

म. प्र. शासन.....अनावेदक

पुनर्विलोकन विरुद्ध आदेश दिनांक 15/11/2017

न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश

ग्वालियर सदस्य श्री एस. एस. अली प्रकरण

क्रमांक 3183-एक/2014 अंतर्गत धारा 51 म. प्र.

भू-राजस्व संहिता 1959

माननीय महोदय,

पुनर्विलोकन आवेदन आवेदकगण की ओर से निम्नलिखित प्रस्तुत

है:-

*[Handwritten signature]*

*[Handwritten notes]*  
15/2/18  
4/2/2018

*[Handwritten notes]*  
1/2/18  
शासन मण्डल, ग्वालियर

*[Handwritten mark]*

न्यायालय, राजस्व मण्डल, म0 प्र0, ग्वालियर  
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

भाग-अ

प्रकरण क्रमांक दो/पुर्नावलोकन/मुरैना/भूरा/2018/0842

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकरो एवं अभिभाषकोंआदि के हस्ताक्षर
25_06_18	<p>आवेदक अधिवक्ता श्री एम0 पी0 भटनागर उपस्थित। आवेदक के अधिवक्ता ने प्रकरण की ग्राह्यता पर तर्क प्रस्तुत किये। आवेदक के अधिवक्ता के तर्क श्रवण किये तथा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया।</p> <p>2- यह रिव्यु आवेदन पत्र इस न्यायालय के प्रकरण क्रमांक निगरानी 3183-एक/14 में पारित आदेश दिनांक 15.11.17 के विरुद्ध प्रस्तुत प्रकरण क्रमांक दो/पुर्नावलोकन/मुरैना/भूरा/2018/0842 के तथ्यों पर आवेदक अधिवक्ता के तर्क सुने।</p> <p>3- आवेदक की ओर से पुनर्विलोकन आवेदन में उन्हीं तथ्यों को दोहराया गया है जो प्रकरण निगरानी 3183-एक/14 में वर्णित है। जिनका निराकरण आदेश दिनांक 10.11.17 से किया जा चुका है।</p> <p>4 प्रकरण क्रमांक दो/पुर्नावलोकन/मुरैना/भूरा/2018/0842 म0 प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 51 में</p>	

दो/पुर्नावलोकन/मुरैना/भूरा/2018/0842

//2//

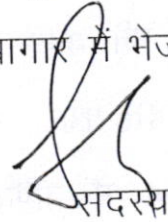
पुनर्विलोकन में जो आधार बताये गये हैं। प्रकरण क्रमांक दो/पुर्नावलोकन/मुरैना/भूरा/2018/0842 उनके विद्यमान होने पर ही रिव्यु आवेदन स्वीकार किया जा सकता है:-

अ- नई एवं महत्वपूर्ण बात/साक्ष्य का पता चलना जो उस समय जब आदेश पारित किया गया था, सम्यक तत्परता के पश्चात भी नहीं मिल पाई थी।

ब- अभिलेख से प्रकट कोई भूल/गलती।

स- कोई अन्य पर्याप्त कारण।

आवेदक ने रिव्यु का जो आवेदन प्रस्तुत किया है। उसके परीक्षण से उक्तांकित आधारों में से कोई आधार विद्यमान होना नहीं पाया जाता है इसलिये इस रिव्यु आवेदन में कोई बल नहीं होने से यह रिव्यु प्रकरण अग्राह्य किया जाता है। उभय पक्ष सूचित हों। राजस्व मण्डल का प्रकरण संचय हेतु अभिलेखागार में भेजा जावे।

  
सदस्य

